Title: Demand to purchase paddy from the farmers of Northern India to compensate them.

श्री किशन सिंह सांगवान (सोनीपत) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान किसानों की एक बहुत बड़ी समस्या की तरफ दिलाना चाहता हूं। आज पैडी की फसल को सारे देश में, विशेष तौर पर उत्तरी भारत में, कोई खरीदने वाला नहीं है। कोई सरकारी एजैंसी, प्राईवेट एजैंसी खरीदने वाली नहीं है। सरकार ने जो सपोर्ट प्राइस फिक्स किया था, उससे भी कम दाम पर धान बिक रहा है जबकि मार्किट में चावल का रेट वही चल रहा है जो पहले से चल रहा था। एक्सपोर्टर्स ने विदेशों में गलत सैम्पल्स भेजे। वह चावल रिजैक्ट हो गया जिसकी वजह से विदेशी कम्पनियों ने चावल नहीं खरीदा। आज किसान बर्बाद हो रहे हैं। पिछले साल जो बासमती २२०० रुपये क्विंटल बिकता था, आज ८०० रुपये में पिट रहा है। पी.आर. किस्म के चावल का सरकारी मिनिमम सपोर्ट प्राइस ५२० रुपये है लेकिन वह ३०० रुपये में बिक रहा है। कोई खरीदने वाला नहीं है। किसान की हालत बहुत बुरी हो चुकी है। फर्टिलाइजर, डीजल की वजह से दूसरे ऐग्रीकल्चरल इनपुट्स बढ़ते जा रहे हैं। लेकिन किसान की कोई सुनने वाला नहीं है। मार्किट में कोई एजैंसी नहीं है। आज भी धान पड़ा है।

... (व्यवधान)

सरकार इसपर गौर करे। किसानों को कम्पैन्सेट करे। अब गेहूं की फसल बोई जा रही है लेकिन आज तक उसका कोई प्राइस फिक्स नहीं हुआ है।

... (व्यवधान)

सरकार इसपर ध्यान दे। सरकार इस मामले में क्या कार्यवाही कर रही है।

... (व्यवधान)

श्री राजीव प्रताप रूडी : धान की खेती यहां नहीं करेंगे तो वह लक्षद्वीप में भी नहीं जाएगा।

... (व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: I cannot compel the Government to give a reply. If the hon. Minister wants to react, he can.

... (Interruptions)